OM-11- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 08/08/2021 12:56 PM Page 9

हौसला बढ़ाने के लिए बस इसे याद करें...

कई बार जीवन में ऐसा भी मोड़ आता है कि सबकुछ होते हुए भी मन में जैसे ठहराव-सा लगता है। उबासी और उदासी, कुछ न कर पाने की स्थिति हो जाती है। न मन लगता है और न ही कुछ सूझता है। ऐसे में हम क्या करें जो हम अपने आप को फिर से तरोताज़ा महसूस करें और अपनी रफ्तार को गंतव्य स्थान तक पहुंचाने की दिशा में गति दें। आपने भी कभी अपने जीवन में ऐसे अनुभव किये होंगे कि जहाँ मन में न तो कुछ चलता है, न ही कुछ क्रियेट कर पाते हैं। होता है ना ऐसा!

ऐसे में हमने अपने जीवन के जो उसूल बनाये हैं, उस डायरी को खोलकर देखना चाहिए कि हमारे पास क्या-क्या है और हमारे साथ किस-किस का संग है, सम्बंध है, उसे स्मृति में लाना चाहिए। जब हम आध्यात्मिक मार्ग को अपनाकर आगे चले थे, उस वक्त की स्वीट मेमोरी को अपने सामने लाना चाहिए। आध्यात्मिकता में हमारा कनेक्शन सर्वोच्च, सर्वशक्तिवान से हुआ और उनके साथ हमारे कई वायदे भी हुए। तो ऐसे वक्त पर हमें उन वायदों की डायरी को खोलकर देखना चाहिए। खोलते ही आप उन वायदों पर नज़र दौड़ायेंगे तो आपका हौसला बढ़ जायेगा। आपने जो भगवान के साथ वायदा किया और भगवान ने जो आपके साथ वायदा किया, उसका जब सिमरण करेंगे, मन के पर्दे के सामने लायेंगे तो मन एक प्रसन्नता और ताज़गी महसूस करेगा और आप खुशी से रोमांचित हो जायेंगे। आप करके देखिये। भगवान ने हमसे जो वायदे किये, जिन वायदों से हमारा हौसला बढ़ा था और हम आगे बढ़े थे, उन वायदों के कुछ बिन्दु हम आपके समक्ष रखते हैं। आप उन्हें दोहराइये और अपना हौसला बढ़ाइये।

1. चिंता मत करो, मैं सर्वशक्तिवान हूँ, मैं असम्भव को सम्भव बना सकता हूँ।
2. मेरी नज़र सदा तुमपर है, मैं समझता हूँ, तुम्हारे सारे दर्द, संघर्ष, सबकुछ ठीक हो जायेंगे।
3. किसी भी बात के लिए, परिस्थितियों के कारण खुद को नीचे मत आने दो क्योंकि परिस्थितियां तो थोड़े समय के लिए हैं लेकिन मैं तो सदा के लिए तुम्हारे साथ हूँ।
4. एक कदम हिम्मत का बढ़ाओ, मैं तुम्हारी तरफ हज़ार कदम बढ़ाऊंगा।
5. जो भी कुछ होना था हो चुका, अब आगे बढ़ो, मैं तुम्हें शक्ति दूंगा।
6. मैं खुद तुम्हें गाइड करूंगा और पार ले जाऊंगा, अतः विघ्नों से घबराना नहीं, वह तो सिर्फ रास्ते के पत्थर हैं, हमें सफलता की ओर ले जाने के लिए।
7. हर बात मुझे सौंप निश्चिंत हो जाओ। जिसे तुम हल नहीं कर सकते, मैं उन सब को ठीक कर दूंगा।
8. मेरी सुरक्षा का हाथ हमेशा तुम्हारे सर पर है, अनावश्यक भय पैदा मत करो।
9. रोज़ मुझसे शांति में बैठकर बातें करो, मैं तुम्हें सुनूंगा और तुम्हारी बातों का जवाब भी दूंगा।
10. अपने सर पर बोझा लेकर मत चलो, मैं तुम्हारे सारे बोझ सम्भाल लूंगा, तुम हल्के हो जाओ।
11. अगर तुम्हें कोई नहीं समझता है तो भी चिंता मत करो, मैं तुम्हें समझता हूँ, तुम कभी भी अकेले नहीं हो।
12. मैं सदा तुम्हारा साथी हूँ, तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा, तुम दूसरों के बारे में कभी नहीं सोचना।
13. दिल से मुझे याद करो, मैं हज़ार भुजा सहित सर्वशक्तियों के साथ मदद के लिए तुम्हारे साथ हूँ।

पढ़ते-पढ़ते आपको क्या हुआ! आप कैसा महसूस कर रहे हैं? चल पड़े ना, खुशी का फुहार छूट गया ना! ऐसा है हमारा भोलानाथ अपना परमपिता। ताज़गी भी आ गई, शक्ति भी आ गई और हौसला भी बढ़ गया। ठीक कह रहे हैं ना हम! बस... आप अपने प्रियतम के साथ ऐसे ही पेश आइये, वो हर मोड़ पर आपकी मदद के लिए तैयार हैं।

! यह जीवन है !

दुःख में सुख खोज लेना, हानि में लाभ खोज लेना, प्रतिकूलताओं में भी अवसर खोज लेना, इस सबको सकारात्मक दृष्टिकोण कहा जाता है। जीवन का ऐसा कोई बड़े से बड़ा दुःख नहीं जिससे सुख की परछाईयों को ना देखा जा सके। जिन्दगी की ऐसी कोई बाधा नहीं, जिससे कुछ प्रेरणा ना ली जा सके। रास्ते में पड़े हुए पत्थर को आप मार्ग की बाधा भी मान सकते हैं, और चाहें तो उस पत्थर को सीढ़ी बनाकर ऊपर भी चढ़ सकते हैं। जीवन का आनन्द वही लोग उठा पाते हैं, जिनका सोचने का ढंग सकारात्मक होता है। इस दुनिया में बहुत लोग इसलिए दुःखी नहीं कि उन्हें किसी चीज़ की कमी है; अपितु इसलिए हैं कि, उनके सोचने का ढंग नकारात्मक है। सकारात्मक सोचो, सकारात्मक देखो। इससे आपको अभाव में भी जीने का आनन्द आ जायेगा। आपकी खुशी इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आपके पास कितनी सम्पत्ति है। अपितु इस बात पर निर्भर करती है कि आपके पास कितनी समझ है।

महोबा-उ.प्र.। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा एकता पैलेस में 'प्रकृति संरक्षण से संस्कृति संरक्षण की ओर' विषय पर आयोजित सम्मेलन में उपस्थित रहे चित्रकूट धाम मंडल प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. दुर्गेश नंदनी बहन, ब्र.कु. सुधा बहन, ब्र.कु. निधि, ब्र.कु. रुपाली, ब्र.कु. अपर्णा सहित गणमान्य लोग।

सांगानेर-जयपुर(राज.)। कन्हैया लाल नागर जी ने ब्रह्माकुमारीज़ को ईश्वरीय सेवाओं के विस्तार हेतु शिक्षा-सागर स्थित टोल टैक्स-टोंक रोड,सांगानेर जयपुर में 40/60 आकार की भूमि प्रदान की। जिसका पेपर ब्र.कु. अमिता बहन तथा ब्र.कु. सीता बहन को देते हुए नागर जी तथा उनका परिवार।

झोझूकलां-हरियाणा। अम्बेडकर भवन में अम्बेडकर समिति, ग्रामीण विकास परिषद तथा ब्रह्माकुमारीज़ के 'मेरा भारत हरित भारत' अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित रहे ब्र.कु. वसुधा दीदी,क्षेत्रीय संचालिका,ब्रह्माकुमारीज़, अनिल डूडी,सुपरीन्टेंडेंट ऑफ पुलिस तथा अन्य। इसके साथ ही अभियान के अंतर्गत तिवाला गांव में आयोजित कार्यक्रम में मनोज दलाल,एच.सी.एस. ऑफिसर, राजेन्द्र कुमार,हेड,रूरल डेवलपमेंट काउंसिल, बिशन आर्य,संयोजक सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सूरतगढ़-राज.। ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र पर भारत विकास परिषद् की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहे डॉ. के.एल. बंसल,संरक्षक,भा.वि.प., रमेश अश्वनी,अध्यक्ष,भा.वि.प. तथा परिषद् के अन्य सदस्यों सहित सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी बहन तथा अन्य। परिषद् की ओर से सेवाकेन्द्र पर समर्पित ब्र.कु. भाई-बहनों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही आर.ए.एस. में चयनित ब्र.कु. प्रगति को भी सम्मानित करते हुए बधाई दी गई।

जिंतूर-महा.। विश्व पर्यावरण के निमित्त वृक्षारोपण करते हुए वन अधिकारी कृष्णा थोरे, छाया थोरे तथा स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुमन बहन।